नागौर से जयपुर ले जाई जा रही 1.62 करोड़ रुपये की एमडी ड्रग बरामद

मामले में एक बालक को निरुद्ध किया, तस्करी में प्रयुक्त कार जब्त की

नागौर/जोधपुर, (निसं)। राजस्थान पुलिस के मादक पदार्थ विरोधी कार्यबल (एएनटीएफ) द्वारा रक्षाबंधन के पर्व पर नागौर जिले के जायल में बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 किलो 400 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 1 करोड़ 62 लाख रुपए बताई गई है। मामले में एक बालक को निरुद्ध किया गया तथा तस्करी में प्रयुक्त एक कार को जब्त किया गया है।

- **एएनटीएफ टीम को कार की खलासी सीट के नीचे रखे एक पैकेट से अवैध मादक पदार्थ बरामद हुआ**

महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने बताया कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के मार्गदर्शन में राज्यभर में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। सूचना मिलने पर एएनटीएफ टीम ने नागौर जिले में संदिग्ध वाहन की गतिविधियों पर नजर रखी और नागौर से जयपुर की ओर जा रही एमडी की खेप को जयपुर पहुंचने से पहले ही पकड़ लिया।

सूचना के आधार पर ग्राम दुगौली क्षेत्र में खारी-जोधा मार्ग पर देवनारायण बगीची के सामने निगरानी एवं नाकाबंदी की गई। इस दौरान संदिग्ध कार को रोककर स्थानीय पुलिस की सहायता से तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार की खलासी सीट के नीचे रखे एक पैकेट से पांच प्लास्टिक थैलियों में अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद हुआ। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि एमडी की यह खेप नागौर क्षेत्र से जयपुर ले जाकर कथित रूप से विभिन्न पार्टियों में सप्लाई की जानी थी।

आईजी विकास कुमार के अनुसार बाल अपचारी के मोबाइल फोन को जांच के लिए सुरक्षित किया गया है। मोबाइल में मौजूद एक अकाउंटिंग ऐप से करीब 18 लाख रुपए के लेनदेन से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिलने की बात भी सामने आई है।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि मामले में एमडी उपलब्ध करवाने वाले मुख्य सप्लायर, परिवहन में सहयोग करने वाले व्यक्तियों और पूरे सप्लाई नेटवर्क की पहचान के लिए गहन अनुसंधान जारी है। टीम का उद्देश्य केवल मादक पदार्थ की बरामदगी तक सीमित नहीं, बल्कि इसके स्रोत, सप्लायर, रिसीवर और पूरे तस्करी नेटवर्क तक पहुंचना है।

जोधपुर में रक्षाबंधन के दिन बैंक शाखा में आग लगी

अवकाश होने के चलते काफी देर तक आग लगने का पता नहीं चल सका

जोधपुर, (कासं)। ओसियां सदर बाजार रोड स्थित बैंक की शाखा में अचानक से आग लग गई। रक्षाबंधन का अवकाश होने के चलते काफी देर तक आग लगने का पता नहीं सका। बाद में बाहर लगे एसी के आउटर में धुआं उठता दिखा तो स्थानीय लोगों ने पुलिस ओर फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद फायर बिग्रेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। सूचना मिलने के बाद नायब तहसीलदार छतर सिंह राजपुरोहित व पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

- **बाहर लगे एसी के आउटर में धुआं उठता दिखा तो स्थानीय लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी**

जानकारी के अनुसार ओसियां कस्बे में एक मंजिला बैंक है, जबकि प्रथम मंजिल पर ऊपर एवं आई सी का जोनल ऑफिस है। जबकि अंडर ग्राउंड पर लाइब्रेरी है। बताया जाता है कि आग दोपहर डेढ़ बजे के करीब लगी। उस समय बैंक के ताले लगे हुए थे। जबकि आग बैंक के सेंटर में लगी। हालांकि ऊपर के फ्लोर पर बने एवं आई सी के ऑफिस को कोई नुकसान नहीं हुआ।

आग लगने की घटना को लेकर बैंक के अधिकारियों को भी सूचित किया गया। मौके पर बैंक के अधिकारी भी पहुंचे। फिलहाल बैंक में हुए नुकसान का आंकलन नहीं हो पाया है। मामले को लेकर ओसियां थाना एसआई विजयश्री ने बताया कि आग दोपहर करीब 1:45 बजे के करीब लगी थी। करीब घंटे भर में आग पर काबू पा लिया गया। बैंक में फायर फाइटिंग सिस्टम लगा हुआ था या नहीं इसकी जांच की जा रही है।

हाईटेंशन बिजली लाइन से छह करोड़ के तार चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश

पुलिस ने 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त 2 मोटरसाइकिल, पिकअप, कार और थार जीप बरामद की

पाटन, (निसं)। सीकर पुलिस ने हाईटेंशन बिजली लाइन से करोड़ों रुपए के तार चोरी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश किया है। डीएसटी टीम सीकर और नीमकाथाना सदर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त 2 मोटरसाइकिल, एक पिकअप, एक कार और एक थार जीप बरामद की है। वहीं चोरी की रकम से खरीदे गए दो आईफोन भी जब्त किए गए हैं।

- **पुलिस के अनुसार पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने चोरी की दर्जनों वारदात करना स्वीकार किया है**
- **आरोपी बिजली की हाईटेंशन लाइन के पोल से तार काटकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे**

पुलिस के अनुसार सदर नीमकाथाना और डाबला थाना क्षेत्र में करीब 103 किलोमीटर हाईटेंशन लाइन से अनुमानित 5 से 6 करोड़ रुपए कीमत के तार चोरी किए गए थे। आरोपी बिजली की हाईटेंशन लाइन के पोल से तार काटकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

वारदातों के बाद पुलिस टीमों ने घटनास्थल और आरोपियों के आने-जाने वाले रास्तों की सीसीटीवी फुटेज खंगाली। तकनीकी सूचना और मुखबिर तंत्र के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने दर्जनों वारदात करना स्वीकार किया है। जानकारी के अनुसार 11 जुलाई को केरवाली गांव के पास, 12 जुलाई को बंधाला भोपालपुरा गांव के पास, 5 अगस्त को सेंडुकाबास गांव के पास और 6 अगस्त को मावंडा खुर्द गांव से अज्ञात चोरों द्वारा हाईटेंशन लाइन के तार और उससे जुड़े सामान चोरी किए गए थे। 9 अगस्त को शिकायत मिलने के बाद सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल वाहन और चोरी की रकम से खरीदे गए दो आईफोन बरामद किए हैं। वहीं अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

मामले को लेकर सीकर एसपी प्रवीण नायक नूनावत ने नीमकाथाना सदर थाने में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा किया। एसपी ने गैंग की वारदातों, गिरफ्तार आरोपियों और पुलिस द्वारा की गई बरामदगी की जानकारी दी।

नकली नोट सप्लाई गिरोह का मुख्य सरगना संजीव अहलावत हरियाणा से गिरफ्तार

मामले का खुलासा 23 अगस्त को हुआ था, जब पुलिस टीम ने कस्बे से दो संदिग्धों को हिरासत में लिया था

कोटपूतली, (निसं)। जिला पुलिस ने जाली नोटों के नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हांसिल करते हुए नकली नोट सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना संजीव अहलावत को हरियाणा के झज्जर से गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक मुख्य सरगना सहित कुल चार आरोपियों को दबोचा जा चुका है।

- **पुलिस अब मुख्य सरगना संजीव अहलावत से जाली नोटों के निर्माण स्थल, छपाई की तकनीकों और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में पूछताछ कर रही है**

मामले का खुलासा 23 अगस्त को हुआ था, जब पुलिस टीम ने कस्बे से दो संदिग्धों निशीकान्त गुप्ता व राहुल सैनी को हिरासत में लिया था। तलाशी के दौरान उनके पास से 500-500 रुपये के 135 जाली नोट (कुल मूल्य 67,500 रुपये) बरामद हुए। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पिछले दो दिनों से कोटपूतली के स्थानीय बाजार में नकली नोट चलाकर उसके बदले14,440 रुपये की असली करेंसी भी हांसिल कर चुके थे, जिसे पुलिस ने जप्त कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

गिरफ्तार आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ के बाद पुलिस ने 24 अगस्त को जाली नोटों की सप्लाई करने वाले तीसरे आरोपी चिराग भारद्वाज को गिरफ्तार किया।

अनुसंधान को आगे बढ़ाते हुए कोटपूतली थानाधिकारी कृष्ण कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने सूचना जुटाई। इसके बाद 28 अगस्त को गिरोह के मुख्य मास्टरमाइंड संजीव अहलावत (28) पुत्र हरिओम जाट निवासी गोच्ची, झज्जर, हरियाणा को झज्जर से धर दबोचा गया। वहीं निशीकान्त (40) पुत्र ओमप्रकाश गुप्ता निवासी चतुर्भुज मंदिर के पास बर्डोद थाना बहरोड सदर, राहुल (22) पुत्र महेन्द्र सैनी निवासी भैरू जाट के पास बर्डोद थाना बहरोड सदर व चिराग भारद्वाज (24) पुत्र लोकेश भारद्वाज निवासी जोनायचा खुर्द थाना शाहजहांपुर जिला कोटपूतली बहरोड हाल किरायेदार मकान नम्बर 318 वीटा डेयरी के पास सेक्टर-6 धारूहेड़ा थाना सेक्टर-6 जिला रेवाडी (हरियाणा) को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अब मुख्य सरगना संजीव अहलावत से जाली नोटों के निर्माण स्थल, छपाई की तकनीकों और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में पूछताछ कर रही है। आने वाले दिनों में इस मामले में कई और बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

11 माह से यौन शोषण का आरोप

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम में एक युवती को शादी का झांसा देकर 11 माह से यौन शोषण किया गया। पीड़िता के साथ एक होटल में पहली बार दुष्कर्म के बाद आरोपी यौनाचार करता रहा। पीड़िता ने अब पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया है। पुलिस ने बताया कि जिला पश्चिम के एक थाने में पीड़िता की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसे एक युवक ने दोस्ती के बाद शादी का झांसा दिया और एक होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया। बाद में वह शादी का झांसा देता रहा और 11 माह से यौन शोषण करता रहा। घटनाक्रम गत साल 15 सितंबर से शुरू हुआ। पुलिस ने अब इसमें जांच आरंभ की है।

पिकअप की टक्कर से युवक की मौत, एक गंभीर घायल

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना क्षेत्र में डूंगरपुर-सीमलवाड़ा मुख्य मार्ग पर विकासनगर के पास पिकअप और बाइक की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को डूंगरपुर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गुजरात के मोडासा अस्पताल रेफर किया गया है। हादसा उस समय हुआ,जब बाइक सवार दोनों युवक डूंगरपुर से अपने गांव लौट रहे थे।

चौरासी थाना पुलिस के अनुसार, मंडला उपली सांसरपुर निवासी सोहनलाल खराडी ने हादसे को लेकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया कि उनके पुत्र कल्पेश और भतीजा मिथुन कुमार बाइक से डूंगरपुर से अपने घर लौट रहे थे। दोनों विकासनगर के पास डूंगरपुर-सीमलवाडा मुख्य मार्ग पर पहुंचे थे। पुलिस को दी रिपोर्ट के अनुसार सामने से आ रही पिकअप के ड्राइवर ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए गलत तरीके से ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान पिकअप बाइक से सीधी जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार कल्पेश और मिथुन दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

पीछे से आ रहे राकेश, नानूराम और अन्य लोगों ने घायलों को देखा और तुरंत उनके परिजनों को सूचना दी। इसके बाद 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों को डूंगरपुर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद कल्पेश को मृत घोषित कर दिया। वहीं मिथुन की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद गुजरात के मोडासा अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने कल्पेश के शव को डूंगरपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की परिस्थितियों और पिकअप ड्राइवर की भूमिका की जांच शुरू कर दी है।

उदयवीर शर्मा को पुरस्कार मिलेगा

जयपुर /चूरू। प्रयास संस्थान, चूरू द्वारा वार्षिक साहित्य पुरस्कारों की शृंखला में राजस्थानी भाषा, साहित्य की सेवा क्षेत्र में समग्र योगदान के लिए दिए जाने वाला कन्हैयालाल रतनलाल पारख राजस्थानी साहित्य पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए बिसाऊ-झुंझुनूं निवासी राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार, संपादक डॉ. उदयवीर शर्मा को दिया जाएगा। प्रयास संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने बताया कि सुंदरदेवी लक्ष्मीदेवी पारख ट्रस्ट, कोलकाता के मुख्य ट्रस्टी एवं चूरू मूल के उद्योगपति, ऑरबिट ग्रुप के संयोजक बसंत कुमार पारख के सौजन्य से प्रयास संस्थान प्रवर्तित पुरस्कार हेतु इस वर्ष राजस्थान साहित्य के वरिष्ठ हस्ताक्षर 94 वर्षीय डॉ. उदयवीर शर्मा का चयन किया गया है। डॉ. शर्मा को इसी माह चूरू में आयोज्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

नागौर के खाटूबड़ी में हथियारों के सौदागर सहित चार गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से 6 अवैध पिस्टल, मैगजीन और 24 जिंदा कारतूस बरामद किए

नागौर, (निसं)। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हथियार सप्लाई करने वाले आरोपी समेत चार जनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6 अवैध पिस्टल, मैगजीन और 24 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। कार्रवाई पुलिस थाना खाटूबड़ी और डीएसटी नागौर की संयुक्त टीम ने की।

- **डीएसटी की फील्ड इंटेलिजेंस से खुला अवैध हथियारों का नेटवर्क, सप्लायर ने पूछताछ में खरीदारों के नाम उगले**

कार्यवाहक जिला पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के निर्देशन में अवैध हथियारों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक नागौर आसाराम चौधरी ने बताया कि फील्ड इंटेलिजेंस से मिली सूचना पर सप्लायर दबोचा। 27 अगस्त को डीएसटी नागौर के कांस्टेबल नरसी किलक और रामस्वरूप द्वारा संकलित फील्ड सूचना के आधार पर अवैध हथियार सप्लायर ओमप्रकाश पुत्र रामनिवास जाट निवासी ढेहरी को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 3 अवैध पिस्टल मय मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपी ने अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद खाटूबड़ी थाना पुलिस ने अलग-अलग टीमें गठित कर दबिश दी। पुलिस कार्रवाई में सुरेश राहड, श्रवणराम और ओमप्रकाश पुत्र बलदेवराम, तीनों निवासी ढेहरी को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से कुल तीन पिस्टल और कारतूस बरामद हुए। सुरेश राहड के कब्जे से एक पिस्टल मय मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस, श्रवणराम से एक पिस्टल मय मैगजीन और 4 जिंदा कारतूस, जबकि ओमप्रकाश पुत्र बलदेवराम से एक पिस्टल मय दो मैगजीन बरामद की गई। पूरी कार्रवाई में पुलिस ने कुल 6 अवैध पिस्टल और 24 जिंदा कारतूस जब्त किए।

पुलिस पूछताछ में सप्लायर ओमप्रकाश ने हथियारों की खरीद-फरोख्त में अर्जुनराम निवासी ढेहरी का नाम भी सामने आने की जानकारी दी। पुलिस द्वारा मामले में आगे की जांच और संबंधित लोगों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना खाटूबड़ी में प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरण का अनुसंधान पुलिस थाना रोल के थानाधिकारी मुकेश कुमार को सौंपा गया है। पुलिस ने ओमप्रकाश पुत्र रामनिवास देहड़ू, निवासी ढेहरी, सुरेश राहड पुत्र रामकिशोर राहड, निवासी ढेहरी, श्रवणराम पुत्र जीतुराम, निवासी ढेहरी, ओमप्रकाश पुत्र बलदेवराम, निवासी ढेहरी को गिरफ्तार किया है।

युवक ने पेड़ से साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के बलवनिया गांव में एक युवक ने खेत में पेड़ से साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ, पुलिस ने जांच शुरू की**

चौरासी थाना पुलिस के अनुसार बलवनिया निवासी सुरेश आमलिया ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनके भाई राकेश कुमार ने अपने खेत के किनारे लगे एक पेड पर साडी का फंदा बनाकर फंदा लगा लिया। घटना का पता तब चला जब राकेश की बहू और मां ने उसे फंदे पर लटका देखा। उन्होंने तुरंत सुरेश को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और राकेश को फंदे से नीचे उतारा। परिजन राकेश को तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद शव को मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल युवक की आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। चौरासी थाना पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

'मुकुंदरा का दायरा बढ़ेगा, महाराष्ट्र से इसी वर्ष एक और बाघिन आएगी'

कोटा, (निसं)। मुकुंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व की जैव विविधता, बाघ संरक्षण एवं प्रकृति पर्यटन को लेकर शुक्रवार को कोटा के पर्यावरण प्रेमियों और वन विभाग के बीच संवाद आयोजित किया गया। मुकुंदरा के उप वन संरक्षक मुथु एस ने मुकुंदरा की प्राकृतिक विशेषताओं, वन्यजीव संरक्षण और भविष्य की योजनाओं की जानकारी साझा की। मुथु ने बताया कि मुकुंदरा में वर्तमान में 6 वयस्क एवं 1 शावक बाघ हैं तथा बाघों की आनुवंशिक विविधता और आबादी को मजबूत करने के लिए इसी वर्ष महाराष्ट्र से एक और बाघिन लाई जाएगी। बाघों के प्रे-बेस को मजबूत करने के लिए चीतल एवं सांभर की संख्या बढ़ाने की भी योजना है।

कोटा में पर्यावरण प्रेमियों और वन विभाग के बीच संवाद आयोजित किया गया। वार्ता में मुकुंदरा के उप वन संरक्षक मुथु एस, पगमार्क फाउंडेशन से देववृत्त सिंह हाड़ा, डॉ. कृष्णेंद्र सिंह नामा आदि मौजूद रहे।

- **मुकुंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व की जैव विविधता, बाघ संरक्षण एवं प्रकृति पर्यटन को लेकर संवाद हुआ**
- **बैठक में मुकुंदरा की जैव विविधता की एक महत्वपूर्ण विशेषता के रूप में भेड़ियों की मौजूदगी पर भी चर्चा हुई**

मुथु एस ने कहा कि मुकुंदरा की भौगोलिक एवं प्राकृतिक परिस्थितियां भविष्य में चीता संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के लिए भी महत्वपूर्ण संभावनाएं रखती हैं। क्षेत्र में उपलब्ध प्राकृतिक आवास, खुले वन क्षेत्र एवं पर्याप्त पारिस्थितिक संसाधन इसे भविष्य में बड़े मांसाहारी वन्यजीवों के संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण बना सकते हैं। बैठक में मुकुंदरा की जैव विविधता की एक महत्वपूर्ण विशेषता के रूप में भेड़ियों की मौजूदगी पर भी चर्चा हुई। मुकुंदरा रिजर्व में वर्तमान में भेड़ियों के तीन से चार बड़े समूह मौजूद हैं। इनमें से एक बड़ा समूह 82 वर्ग किलोमीटर के एनक्लोजर में विचरण करता है। क्षेत्र में गिद्धों की मौजूदगी भी मुकुंदरा की समृद्ध जैव विविधता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

तीन गांवों के विस्थापन से बढ़ेगा वन्यजीव आवास :- मुकुंदरा के विस्तार की दिशा में भी प्रक्रिया चल रही है। कोटा जिले के एक तथा झालावाड़ जिले के दो गांवों के विस्थापन की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इन गांवों के विस्थापन से भविष्य में वन्यजीवों के लिए उपलब्ध सुरक्षित आवास का विस्तार होने की संभावना है।

पर्यावरण प्रेमियों ने कहा कि मुकुंदरा के विस्तार को केवल बाघ संरक्षण तक सीमित न रखकर भेड़िया, गिद्ध, चीतल-सांभर सहित समूची जैव विविधता और घासभूमि पारिस्थितिकी के संरक्षण से जोड़ा जाना चाहिए। इससे मुकुंदरा को हाड़ौती में जैव विविधता और जिम्मेदार प्रकृति पर्यटन के विशिष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। हम लोग संस्था के अध्यक्ष डॉ. सुधीर गुप्ता ने मुकुंदरा के संरक्षण एवं विकास के लिए वन विभाग के प्रयासों का स्वागत करते हुए कहा कि मुकुंदरा को केवल बाघों की संख्या के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी संपूर्ण जैव विविधता के आधार पर विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण प्रेमी एवं स्थानीय समाज मुकुंदरा के संरक्षण में वन विभाग के साथ सहयोग के लिए सदैव तैयार हैं।

वार्ता में पगमार्क फाउंडेशन से देववृत्त सिंह हाड़ा, डॉ. कृष्णेंद्र सिंह नामा, तपेश्वर सिंह भाटी, ए.एच. जैदी, अशोक शर्मा, रवि गोयल, खालिद इक़बाल, अनुराग फतेहपुरिया, सौरभ मेहता, शकील विलियम्स, टी.पी.एस. सेठी एवं रमाकांत लवानिया सहित अनेक पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

23 साल से फरार इनामी तस्कर को भीलवाड़ा में पकड़ा

आरोपी 2,500 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा तस्करी के मामले में वांछित था

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा पुलिस की साइबर सेल और प्रतापनगर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए पिछले 23 साल से फरार चल रहे 10 हजार के इनामी तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी 2,500 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा तस्करी के मामले में लंबे समय से वांछित था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मामला 10 जून 2003 का है, जब प्रतापनगर थाना क्षेत्र में लावारिस हालत में खड़ा एक ट्रक जब्त किया गया था। तलाशी लेने पर ट्रक से 2,500 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद हुआ था। इस संबंध में प्रतापनगर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी, लेकिन आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा द्वारा चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत यह सफलता मिली है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राजेश आर्य के निर्देशन और पुलिस उप अधीक्षक (वृत्त शहर) सज्जन सिंह के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी सुनील ताड़ा व साइबर सेल की एक विशेष टीम गठित की गई। साइबर सेल की तकनीकी सहायता और टीम की मुस्तैदी से आरोपी को ढूंढ निकाला गया।

सीकर जिले से विवाहिता लापता

सीकर, (निसं)। सीकर जिले में 23 साल की विवाहिता के लापता होने का मामला सामने आया है। ससुर ने किडनैपिंग का शक जताते हुए पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया है। घर से हजारों रुपए और मंगलसूत्र भी गायब है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

- **ससुर ने किडनैपिंग का शक जताकर मुकदमा दर्ज कराया**

जानकारी के अनुसार 23 साल की विवाहिता के ससुर ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 25 अगस्त की दोपहर करीब 12 से 1 बजे के बीच उनकी पत्नी घर के पीछे मैदान में घरेलू काम कर रही थी। इसी दौरान उनके बेटे की बहू घर में रखा एक सोने का मंगलसूत्र और 5 हजार रुपए लेकर कहीं पर चली गई। जब कई घंटे तक विवाहिता घर पर नहीं दिखी तो उसकी आस-पड़ोस और रिश्तेदारी में काफी तलाश की गई, लेकिन वहां भी उसका कुछ पता नहीं चल पाया। विवाहिता के ससुराल पक्ष के अनुसार विवाहिता अपने मोबाइल और ससुर के मोबाइल से तीन-चार नंबरों पर बातचीत करती थी। ऐसे में अब अंदेशा है कि इन नंबरों से जो लोग बातचीत करते थे वह आपराधिक किस्म के लोग हैं। जिन्होंने उनके बेटे की बहू को किडनैप किया हुआ है और पैसों के लालच में वह उसे बेच भी सकते हैं।